नैक (NAAC) द्वारा "A" ग्रेड प्राप्त

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा

Mahatma Gandhi Antarrashtriya Hindi Vishwavidyalaya, Wardha

(संसद द्वारा पारित अधिनियम 1997, क्रमांक 3 के अंतर्गत स्थापित केंद्रीय विश्वविद्यालय)

(A Central University established by Parliament by Act No. 3 of 1997)

जनसंपर्क विभाग- Ph./Fax: 07152-252651 मो.9960562305 इ-मेल: mgahvpro@gmail.com

वेबसाइट : www.hindivishwa.org

हिंदी विश्वविद्यालय में डॉ. एन. सुंदरम का व्याख्यान

वर्धा दि. 21 अगस्त 2015: हिंदी एवं तमिल के प्रतिष्ठित विद्वान डॉ. एन. सुंदरम के व्याख्यान का आयोजन महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय के हिंदी एवं तुलनात्मक साहित्य विभाग में किया गया। इस अवसर पर मंच पर विभाग के अध्यक्ष प्रो. कृष्ण कुमार सिंह, विभाग के सहायक प्रोफेसर डॉ. अशोक नाथ त्रिपाठी, डॉ. रामानुज अस्थाना, डॉ. उमेश कुमार सिंह उपस्थित थे।

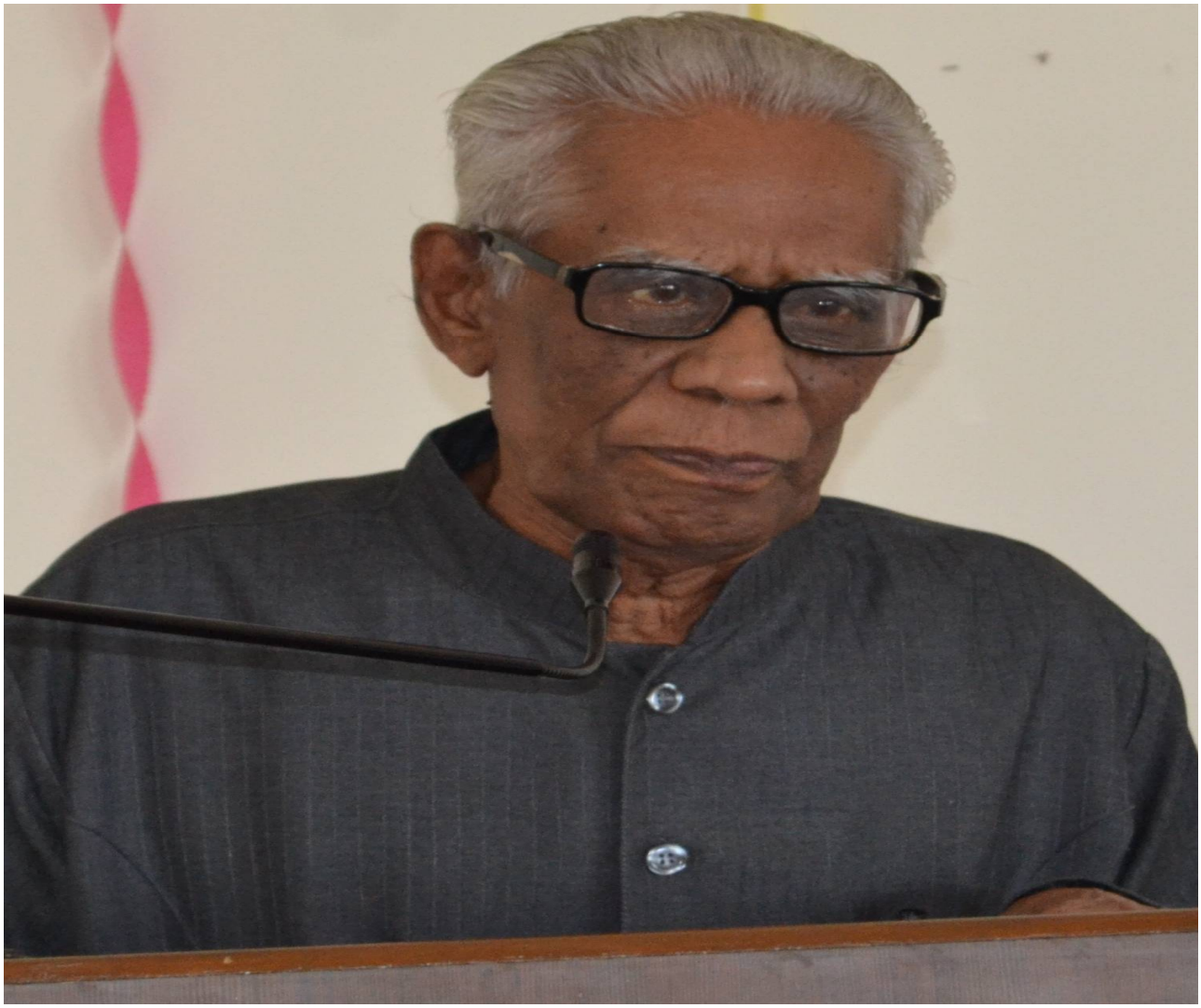

उन्होंने 'भक्ति द्राविड़ उपजी' विषय पर दिए व्याख्यान में द्रविड़ जाति और आर्य जाति के प्रश्नों को उठाते हुए द्रविड़ प्रदेश में जैन-बौद्ध धम्म के प्रचार-प्रसार एवं उनके वैष्णव-शैवों से आंतरिक संघर्ष का उदघाटन किया। उन्होंने तमिल और संस्कृत के अन्योन्याश्रित संबंधों की चर्चा

करते हुए कहा कि तमिल के बिना संस्कृत का तथा संस्कृत के बिना तमिल का अलग अस्तित्व नहीं है। उन्होंने तमिल के 'सिलापत्तिकारम' महाकाव्य का उदाहरण देते हुए वहां के मंदिरों पर विशेष रूप से प्रकार ड़ाला।

कार्यक्रम का संचालन साहित्य विद्यापीठ के अधिष्ठाता तथा हिंदी एवं तुलनात्मक साहित्य के विभागाध्यक्ष प्रो. कृष्ण कुमार सिंह ने किया। व्याख्यान में अध्यापक, शोधार्थी एवं विद्यार्थी बड़ी संख्या में उपस्थित थे।